हरिस्वामी की समस्या

शब्दार्थ :–

कौशल – निपुणता (हर कार्य में) कार्य – दक्षता

अदृश्य – गायब होना

शूरवीर – वीर योद्धा

सौभाग्य – सुंदर या अच्छा भाग्य

एकांत – अकेले में

संकलित – शामिल , संग्रह

विमान – वायुयान , हवाई जहाज़

क) हरिस्वामी की पुत्री अपने लिए ज्ञानी , विज्ञानी या शूरवीर वर चाहती थी |

ख) हरिस्वामी को दक्षिण में एक युवक मिला | उसकी विशेषता यह थी कि वह एक विज्ञानी था | युवक ने कुछ ही समय में एक विमान तैयार कर दिया था |

ग) देवस्वामी को जो युवक मिला वह अस्त्र –शास्त्रों से सुसज्जित एक शूरवीर था |

घ) कन्या की माँ को जो युवक मिला वह एक ज्ञानी था जो भूत , भविष्य , वर्तमान तथा दूर – पास के सब समाचार बता सकता था |

ड) हरीस्वामी उसकी पत्नी एवं बेटे ने अलग – अलग युवकों विवाह के लिए निमंत्रित किया था वह उसकी समस्या यह थी कि वह किस के साथ अपनी पुत्री का विवाह करें |

च) हरिस्वामी की पुत्री को धूमकेतु नामक राक्षस ले गया था | ज्ञानी युवक ने अपने ज्ञान द्वारा बताया की वह राक्षस हरिस्वामी की पुत्री को अपने घर ले गया है | वह अदृश्य होकर यहाँ आया था और अपनी माया से उसे अदृस्य करके उड़ा ले गया था |

छ) धूमकेतु के पास जाने के विज्ञानी ने विमान तैयार किया था |

ज) बेताल ने विक्रमादित्य से अंत में सवाल पूछा कि – " हे राजन ! अब आप निर्णय करें कि इस कन्या का विवाह किससे होना चाहिए ? "

झ)विक्रमादित्य ने कहा – " इस कन्या का विवाह शूरवीर से ही होना चाहिए | शूरवीर ने ही प्राणों की बाज़ी लगाकर उस राक्षस को मार गिराया | ज्ञानी और विज्ञानी तो केवल इस कार्य में उसी प्रकार सहायक थे , जिस प्रकार राजाओं के यहाँ अनेक विद्वान और कर्मचारी सहायक होते हैं | " राजा का उत्तर ठीक था |

10) हरिस्वामी की पुत्री की रक्षा शूरवीर ने की थी | शूरवीर ने तलवार खींच ली | धूमकेतु और शूरवीर तलवार से काफी देर तक लड़ते रहे | अंत में शूरवीर के प्रहार से धूमकेतु मारा गया |